## समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

दिनांक-25 फरवरी, 2022 से प्रारम्भ होकर, आज दिनांक-25 मार्च, 2022 एक महीना तक कुल 17 कार्यदिवसों के बाद आज पंचम् झारखण्ड विधानसभा का अष्टम् (बजट) सत्र अपनी समाप्ति पर पहुँच चुका है। यह बजट सत्र कई मायनों में अद्वितीय था। एक लम्बे अंतराल के बाद हम सब ने मिलकर सदन के समय का जो सदुपयोग किया है वह अभूतपूर्व है। इस सत्र में माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा जो औपबंधिक कार्यक्रम भेजा गया था, उसमें कुल 17 कार्यदिवसों में मात्र 68 घंटे की कार्यवाही निर्धारित थी। परन्तु आप सब के सहयोग और जन आकांक्षाओं के प्रति आपके समर्पण के कारण हमने इस पूरे सत्र के दौरान लगभग कुल 80 घंटे का उपयोग किया जो कि निर्धारित अवधि का लगभग 120 प्रतिशत है।

इस सत्र में कुल 1070 प्रश्न स्वीकृत हुए, जिसमें स्वीकृत अल्पसूचित प्रश्नों की संख्या-236 एवं तारांकित प्रश्नों की संख्या-759 है। इनमें से 52 अल्पसूचित प्रश्न एवं 50 तारांकित प्रश्न सदन में उत्तरित हुए। विभागों से 973 प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हुए तथा शेष 97 प्रश्नों का उत्तर विभाग के पास लम्बित है। ऑनलाईन प्रश्नोत्तर सूचना प्रणाली के माध्यम से कुल 86.44 प्रतिशत उत्तर प्राप्त हुए हैं। 373 शून्यकाल स्वीकृत हुए, 80 ध्यानाकर्षण सूचनाओं में 46 सूचनायें उत्तरित हुए तथा 34 लम्बित ध्यानाकर्षण सूचनाओं को प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति को सुपुर्द किया जाता है। 114 निवेदन स्वीकृत विभागों को भेज दिया जाए।

आज इस लम्बे सत्र की थकान हम सब अपने शरीर पर महसूस कर रहे हैं। मेरे सभा सचिवालय के कर्मी जो रात-रात भर जग कर इस सभा को सफल बनाने के लिए परिश्रम करते रहे हैं। राज्य सरकार के कर्मी जो इस प्रश्नों के उत्तर तथ्यात्मक बनाने के लिए सचिवालय स्तर से लेकर प्रखण्ड

स्तर तक पूरी तत्परता से प्रयासरत रहते हैं। विधि व्यवस्था के संधारण के लिए जिम्मेदार कर्मी, चिकित्सक और प्रेस मीडिया के साथीगण हर एक व्यक्ति ने इस सत्र के दौरान अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया है और आज सत्र के अंतिम दिन इस थका देने वाली मेहनत के बीच हम सबके मन में कहीं-न-कहीं इस बात की संतुष्टि है कि हमने इस सत्र को सफलतापूर्वक संचालित कर अपने राज्य और पूरे देश में लोकतंत्र को और अधिक मजबूती प्रदान तो की ही है, राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता ने जिस विश्वास के साथ हमें इस सदन में भेजा है, उन उद्देश्यों को पूरा करने की ओर हम सब ने एक मजबूत कदम बढ़ाया है।

इस सत्र की शुरूआत माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण से हुई थी। पिछले दो वर्षों से कोरोना महामारी की विभीषिका ने जिस प्रकार विकास की गतिविधियों को अवरूद्ध कर रखा है, राज्य सरकार की सृजनात्मकता और माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन जी का दूरदर्शी नेतृत्व हमें सम्बल प्रदान करता है।

वर्तमान सरकार का यह तीसरा बजट है। पिछले दो वर्षों से कोरोना महामारी की विभीषिका ने जन-जीवन को इस तरह प्रभावित किया है कि समस्त आर्थिक गतिविधियों और जीवनयापन बुरी तरह प्रभावित रहा। ऐसे कठिन समय में राज्य सरकार के प्रयासों और राज्य के ऊर्जावान युवा मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के प्रभावशाली नेतृत्व ने न केवल लोगों की जान बचाई बल्कि अलग-अलग राज्यों में काम कर रहे लोगों को सुरक्षित लाकर उनके रोजगार की भी व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई। राज्य सरकार के इस प्रयास का प्रभाव इस साल किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में भी दिखता है, जिसमें देश के अन्य हिस्सों के मुकाबले हमारे राज्य के विकास की गति बेहतर नजर आती है। इस बार राज्य सरकार द्वारा 20 वर्षों में पहली बार बजट का आकार एक लाख करोड़ किया गया है। यह बजट आकार में ही बड़ा

नहीं है बल्कि जन कल्याण को ध्यान में रखते हुए इस बजट का निर्माण किया गया है।

राज्य सरकार पहली बार जन वितरण के अन्तर्गत प्रतिमाह एक किलो दाल योग्य लाभुकों को देने का प्रस्ताव कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 6.5 प्रतिशत खर्च बढ़ाने का प्रस्ताव भी किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना का मैं विशेष रूप से चर्चा करना चाहूँगा जिसके द्वारा देश में पहली बार किसी राज्य सरकार द्वारा साधनहीन मेधावी छात्रों को विदेश जाकर ख्याति प्राप्त संस्थानों में पढ़ने का अवसर सरकारी खर्च पर प्राप्त हो पा रहा है। पिछले साल राज्य सरकार द्वारा सात छात्रों को इस योजना के अंतर्गत दुनिया के अलग-अलग संस्थानों में भेजा गया। राज्य सरकार ने इस योजना का दायरा बढ़ाकर अब अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को भी इस योजना से लाभान्वित करने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा प्रत्येक जिले में पुस्तकालय की योजना, एक ऐसी काबिल-ए-तारीफ योजना है जिसका प्रभाव आने वाले समय में दिखेगा। मैंने भी अपने विधानसभा में प्रत्येक पंचायत में बेकार पड़े सार्वजनिक भवनों में ऐसे पुस्तकालय और वाचनालय जिला प्रशासन की मदद से खुलवाने का प्रयास किया है जिससे बड़ी संख्या में युवा लाभान्वित हो रहे हैं। दो वर्षों के अपने अध्यक्ष के कार्यकाल में मैंने हमेशा इस मूल मंत्र को अपने साथ रखा है कि राज्य बहुमत की राह पर चलेगा पर विपक्ष की भी सुनेगा। पक्ष और विपक्ष के समन्वय और सहयोग से मैंने सभा संचालन की सार्थकता को बनाये रखने का निरन्तर प्रयास किया ताकि जनता के मुद्दे सदन में उठ सकें और इसका निराकरण सरकारी तंत्र के द्वारा सम्भव हो सके।

सभा सचिवालय के एक अभिनव प्रयोग के विषय की चर्चा करना चाहूँगा। इस बार एक नई परंपरा की शुरूआत की गयी है। झारखण्ड विधानसभा टी0वी0 पर पहली बार छः भाषाओं में सदन समाचार का प्रसारण

किया गया। हिन्दी भाषा के अलावा संथाली, मुंडारी, कुरूक और खोरठा भाषा में सदन समाचार की प्रस्तुति सभा सचिवालय के कर्मियों द्वारा की गई। भविष्य में हम अन्य स्थानीय भाषाओं में भी सदन समाचार की प्रस्तुति का प्रयास करेंगे।

मैं विधायिका को अंग्रेजी भाषा के पाँच भॉवेल्स (VOWELS) A,E,I,O,U के माध्यम से विकसित करने के अपने विचार को आपसे साझा करना चाहता हूँ।

A से Accessible for citizen in both online and offline mode

E से Efficient institution spearheading the process of lawmaking

I से Inclusive towards all sections of society

O से Open free and transparent in its functioning

U से United with the citizen in the quest for a strong India.

अंत में मैं लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष मावलंकर जी के पीठासीन पदाधिकारियों की ग्वालियर में आयोजित बैठक में दिनांक 24 अक्टूबर, 1953 को दिये गये कालजयी भाषण की कुछ पंक्तियाँ उद्धृत करना चाहूँगा।

मावलंकर जी ने कहा था कि, "The Legislatures are intended in a sense for effecting a peaceful and gradual evolution or if you so like to call it a revolution in the society and in the Government. The aim is to avoid all violent-struggles as used to be the case in former times. For real democracy, one has therefore, to look not merely in the provisions of the Constitution, or the rules and regulations made for the conduct of business in the Legislatures, but one has to foster a real democratic spirit in those who form the Legislature."

माननीय सदस्यगण, आप सभी को पुनः जनहित के कठोर परिश्रम के लिए धन्यवाद देता हूँ तथा आने वाले पर्व त्योहारों सरहुल, महावीर जयंती, गुड फ्राईडे तथा ईद-उल-फितर की अग्रिम बधाई देता हूँ।